

SHRI HARVINDER SINGH PHOOLKA

Shri Harvinder Singh Phoolka, Senior Advocate of Supreme Court of India is a prominent Human Rights Activist, Child Rights Activist, Social Activist and a Legislator.

2. Born on August 24, 1955 in a small village named Bhadaur in Punjab, Shri Phoolka completed his schooling from the village Government school and went on to obtain the degree of Bachelor in Science from Punjab Agricultural University, Ludhiana. After completing his law from Punjab University, Chandigarh, he began his practice of law in Delhi.

3. At the young age of 29 years, Shri Phoolka became the Convenor of Citizen Justice Committee (CJC), whose President was Justice S M Sikri (Retd.), former Chief Justice of India. Citizen Justice Committee was an umbrella organisation of Human Rights Groups and was formed to conduct the cases of victims of 1984 Sikh Genocide in various courts. He has continued the legal battle, started back in 1984 for these victims, before various Commissions of Inquiries and courts for over three decades, and continues to do so pro-bono.

4. Shri Phoolka has also done ground-breaking work in the field of Child Rights, including getting guidelines framed for tracking Missing Children and cases pertaining to child labour, child trafficking, child abuse, and drug abuse amongst children. He initiated a campaign against the menace of Drug abuse and led an 800 km march against the use of liquor and drugs during election campaigns, in collaboration with the Election Commission of India in January, 2012.

5. Shri Phoolka is the founder Chairman of Gyan Sewa Trust, which is running a free Mobile Dispensary and providing assistance to students of Government Schools at villages in Punjab for preparation for competitive examinations for higher studies and has provided 'Smart classrooms' in 180 Government Primary Schools in Punjab. He was elected to the Legislative Assembly of Punjab in 2017.

6. Shri Phoolka was adjudged amongst “50 persons who made a difference to society” by leading Magazine, Outlook in 1996. He has achieved numerous awards as a Human Right activist from various social and religious organisations, both in India and abroad.

श्री हरविंदर सिंह फूलका



श्री हरविंदर सिंह फूलका, भारत के उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता, एक प्रमुख मानवाधिकार कार्यकर्ता, बाल अधिकार कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता और एक विधायक हैं।

2. आपका जन्म 24 अगस्त, 1955 को पंजाब के भदौर नामक एक छोटे से गाँव में हुआ। आपने गाँव के सरकारी स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना से विज्ञान में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से कानून की पढ़ाई पूरी करने के बाद आपने दिल्ली में वकालत करना शुरू किया।

3. 29 वर्ष की आयु में, आप सिटीजन जस्टिस कमेटी (सीजेसी) के संयोजक बने, जिसके अध्यक्ष भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस एम सीकरी (सेवानिवृत्त) थे। सिटीजन जस्टिस कमेटी मानवाधिकार समूहों का एक अम्ब्रेला संगठन है और विभिन्न न्यायालयों में 1984 सिख नरसंहार के पीड़ितों के विचाराधीन मामलों की पैरवी करने के लिए बनाई गई थी। आप पिछले तीन दशकों से भी अधिक समय से विभिन्न जांच आयोगों और न्यायालयों के समक्ष इन पीड़ितों के लिए 1984 से ही कानूनी लड़ाई जारी रखे हुए हैं और आपने अभी भी इस लड़ाई को अनवरत जारी रखा हुआ है।

4. आपने बाल अधिकारों के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किया है। गुमशुदा बच्चों की तलाश करने और बाल श्रम, बाल तस्करी, बाल शोषण और बच्चों के बीच नशीली दवाओं के दुरुपयोग से संबंधित मामलों के लिए दिशा-निर्देश तैयार करवाए हैं। आपने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ एक अभियान की शुरुआत की और जनवरी, 2012 में भारत के निर्वाचन आयोग के सहयोग से चुनाव अभियानों के दौरान शराब और नशीली दवाइयों के दुरुपयोग के खिलाफ 800 किमी लम्बी पद यात्रा का नेतृत्व किया।

5. आप ज्ञान सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष हैं, जो नि:शुल्क मोबाइल डिस्पेंसरी चला रहा है और उच्च शिक्षा के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु तैयारी करने के लिए पंजाब के गांवों में सरकारी स्कूलों के छात्रों को सहायता प्रदान कर रहा है। इस ट्रस्ट ने पंजाब के 180 प्राथमिक स्कूलों में 'स्मार्ट क्लासरूम' की व्यवस्था की है। आप वर्ष, 2017 में पंजाब विधान सभा के लिए चुने गए थे।

6. आपको अग्रणी पत्रिका, आउटलुक द्वारा 1996 में प्रकाशित अपने अंक "50 पर्सन्स हु मेड अ डिफरेंस टु सोसाइटी" में शामिल किया गया है। आपको भारत तथा विदेश के विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों से मानव-अधिकार कार्यकर्ता के रूप में अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं।